कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–001

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

सी.बी.के.जी.-001 : भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में काल-चिन्तन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : इस प्रश्नपत्र में **दो** खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) वेदों के आधार पर काल का स्वरूप लिखिए।

(ख) भारतीय दर्शन तथा पुराणों के अनुसार काल की अवधारणा का उल्लेख कीजिए।

(ग) ज्योतिष तथा खगोलशास्त्र के अन्तसंम्बन्धों को स्पष्ट कीजिए।

(घ) बौद्ध दर्शन के अनुसार काल-तत्त्व की समीक्षा कीजिए।

(ङ) काल-तत्त्व को समझने में दर्शन की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

(च) काल के स्वरूप ज्ञान में सृष्टि-रचना की अवधारणा का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

(छ) काल के स्वरूप निर्धारण में सौरमण्डल की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

(ज) "नक्षत्र और राशियाँ भारतीय कालगणना का एक महत्त्वपूर्ण अंग हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×6=30

(क) सांख्य दर्शन के अनुसार काल क्या है ?

(ख) प्रशस्तपाद भाष्य क्या है तथा इसमें काल का प्रथम गुण क्या माना गया है ?

(ग) वेदाङ्ग से क्या अभिप्राय है ?

(घ) ज्योतिष् शब्द का अर्थ लिखिए।

(ङ) पुराणों की वर्णन शैली क्या है ?

(च) काल के प्रकारों (भेदों) का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

(छ) भारतीय मत में ग्रह किसे कहते हैं ?

(ज) पृथ्वी की परिक्रमण गति का वर्णन कीजिए।